

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2021-2022 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)



गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) कीकार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीयकार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जोआपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्यबनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रमदर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपनेही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग—विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द—सीमा के भीतर होनेचाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधारहोगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभालकर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपयाइस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरागाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण: आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय—सीमाके भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों कोनिम्नलिखित समय—सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2021 सत्र के लिए	31 मार्च 2022	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2022 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2022	

शुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी:

- 1) **योजना:** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।
- 2) **संगठन:** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:

यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर:

- क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
 - ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
 - ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही-सही उत्तर लिखें।
- 3) **प्रस्तुतिकरण:** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीयकार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रम: गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.-001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोड: एम जी पी-001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी-001/ए एस एस टी/टी एम ए/2021-22
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड-I

1. राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयवाद पर गांधी के विचार क्या हैं? वे दोनों में कैसे सामंजस्य स्थापित करते हैं ?
2. 'द किंगडम ऑफ गॉड इज वीथिन यू' में लियो टॉल्स्टॉय के प्रमुख तर्क क्या हैं? क्या इसने गांधी के विचार को आकर प्रदान किया, वर्णन करें।
3. नस्लीय भेदभाव के खिलाफ और भारतीय श्रमिकों के अधिकार दिलाने के लिए गांधी की लड़ाई पर चर्चा करें।
4. गांधी के सत्याग्रह के अर्थ का परीक्षण खेड़ा के उदाहरण के साथ करें।
5. असहयोग आंदोलनों की प्रमुख उपलब्धियां क्या थीं? विस्तारपूर्वक समझायें।

खण्ड-II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) दांडी मार्च
ख) गांधी-इरविन समझौता
7. क) पूना पैक्ट
ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन
8. क) खादी और इसकी प्रासंगिकता
ख) रचनात्मक कार्यक्रम
9. क) भारत छोड़ो आंदोलन
ख) मुस्लिम लीग द्वारा विभाजन की मांग
10. क) गांधी और विभाजन
ख) कैबिनेट मिशन योजना

पाठ्यक्रम: गाँधी दर्शन (एम.जी.पी.-002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोड: एम जी पी-002
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी-002/ए एस एस टी/टी एम ए/2021-22
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड-I

1. गाँधी पर जैन दर्शन के प्रभाव की चर्चा कीजिए।
2. गाँधी ने सुकरात को महान सत्याग्रही क्यों कहा? पुष्टि कीजिए।
3. गाँधी के अनाशक्ति योग का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. मानव प्रकृति की अवधारणा के गांधीवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।
5. गाँधी के अहिंसा के विचार के बौद्धिक और ऐतिहासिक संदर्भ का संक्षेप में वर्णन करें।

खण्ड-II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) गांधी द्वारा गीता की व्याख्या
ख) धर्म को समझने की गांधी की अवधारणा
7. क) आधुनिक सभ्यता के खिलाफ गांधी के तर्क
ख) सर्वोदय
8. क) गांधी के कर्तव्यों की अवधारणा और अधिकारों के साथ उनका संबंध
ख) गांधी का सत्य ही ईश्वर है का सूत्रीकरण
9. क) स्वदेशी
ख) न्यासिता (ट्रस्टीशिप)
10. क) स्वराज के प्रति गाँधी के विचार
ख) स्वराज के आर्थिक आधार

पाठ्यक्रम: गाँधी के सामाजिक विचार (एम.जी.पी.-003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोड: एम जी पी-003
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी-003/ए एस एस टी/टी एम ए/2021-22
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड-I

1. भारतीय सामाजिक व्यवस्था की गांधीवादी आलोचना का परीक्षण कीजिए।
2. वर्णाश्रम धर्म पर गांधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।
3. आधुनिकता की गांधीवादी आलोचना की व्याख्या करें।
4. हिंदू-मुस्लिम एकता प्राप्त करने के लिए गांधी द्वारा क्या प्रयास किए गए थे? प्रकाश डालें।
5. ब्रिटिश भारत में सांप्रदायिक संघर्ष के गांधी के विश्लेषण का समालोचनात्मक परीक्षण करें।

खण्ड-II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) बौद्ध धर्म पर गांधी के विचार
ख) इस्लाम पर गांधी के विचार
7. क) महिलाओं पर गांधी का विचार
ख) गांधी की अहिंसा की अवधारणा
8. क) दलित वर्गों पर गांधी के विचार
ख) शिक्षा पर गांधी के विचार
9. क) बाल विवाह पर गांधी के विचार
ख) युवाओं पर गांधी के विचार
10. क) गांधी और शाकाहार
ख) शराबबंदी पर गांधी का दृष्टिकोण

पाठ्यक्रम: गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.-004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोड: एम जी पी-004
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी-004/ए एस एस टी/टी एम ए/2021-22
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड-I

1. गांधी ने सत्य के सर्वोच्च मूल्यों में शक्ति और अधिकार की आवश्यकता पर जोर क्यों दिया?
2. राज्य और व्यक्ति पर गांधी और थोरो (Thoreau) की विचार के बीच समानता बतायें।
3. गांधी राजनीतिक जीवन और राजनीतिक संस्थाओं को आध्यात्मिक बनाने की आवश्यकता पर जोर क्यों देते हैं?
4. समाजवाद की योजना में सामाजिक परिवर्तन और सत्ता के पुनर्वितरण की अवधारणाओं का परीक्षण करें।
5. क्या आपको लगता है कि विश्व शांति के लिए एक निष्पक्ष विश्व पुलिस प्रभावी हो सकती है? स्पष्ट करें।

खण्ड-II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) सर्वव्यापक मूल्य के रूप में समानता
ख) औद्योगीकरण की गांधीवादी आलोचना
7. क) फासीवाद
ख) गांधीवादी शांतिवाद में सत्याग्रह की भूमिका
8. क) साम्राज्यवाद पर गांधी के विचार
ख) सर्वहारा वर्ग की तानाशाही
9. क) संरचनात्मक हिंसा
ख) संविधानवाद पर गांधी का विचार
10. क) अराजकतावादी समाज
ख) साध्य और साधन की शुद्धता

पाठ्यक्रम: गाँधी आर्थिक विचार (एम.जी.पी.ई.-006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोड: एम जी पी ई-006
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई-006/ए एस एस टी/टी एम ए/2021-22
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड-I

1. 'विकास के आधुनिक प्रतिमान को गांधी के विकास के विचार के पक्ष में छोड़ देना चाहिए।' विश्लेषण कीजिये।
2. जे. सी. कुमारप्पा के आर्थिक दर्शन और विचारों की चर्चा कीजिए।
3. औद्योगीकरण के गांधीवादी मॉडल का वर्णन करें और समकालीन वैश्वीकृत दुनिया में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालें।
4. गांधी द्वारा प्रतिपादित 'न्यासिता का सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
5. अर्थशास्त्र के लिए जे. के. मेहता के दार्शनिक दृष्टिकोण का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड-II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) ई .एफ. शूमाकर (1911-1977)
ख) श्रीमन नारायण (1912-1973)
7. क) भारत में विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था की प्रकृति
ख) भारत में ग्रामीण ऋणग्रस्तता और ऋण बाजार
8. क) जे सी कुमारप्पा का अर्थशास्त्र के लिए दार्शनिक दृष्टिकोण
ख) अंत्योदय
9. क) 'रोटी के लिए श्रम' की अवधारणा
ख) खादी का अर्थशास्त्र
10. क) हिंद स्वराज
ख) अपरिग्रह का सिद्धांत

पाठ्यक्रम: गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.-007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोड: एम जी पी ई-007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई-007/ए एस एस टी/टी एम ए/2021-22
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड-I

1. गांधी के बाद अहिंसक आंदोलनों के परिणामों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. आज मानव जाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिक मुद्दे क्या हैं? भारत में पारिस्थितिकी के संरक्षण के लिए चल रहे आंदोलनों के उदाहरण के साथ वर्णन कीजिये।
3. सैद्धांतिक और सामरिक अहिंसक आंदोलनों के बीच अंतर स्पष्टकरें।
4. समकालीन भारत में शराब नीति और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की प्रमुख चिंताओं को रेखांकित करें।
5. 'भूदान आंदोलन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहा', क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।

खण्ड-II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) किसान आंदोलन की विचारधारा
ख) महिला और नागरिक अधिकार आंदोलन
7. क) ग्रीन गांधी
ख) पारिस्थितिकी-नारीवादी आंदोलन
8. क) 21वीं शताब्दी में ग्रीन पीस आंदोलन (Green Peace Movement)
ख) साइलेंट वैली आंदोलन
9. क) पोलैंड में एकजुटता आंदोलन
ख) मरुस्थलीकरण
10. क) भारत में राष्ट्रीय जल नीति
ख) सम्पूर्ण क्रांति

पाठ्यक्रम: इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम.जी.पी.ई.-009)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोड: एम जी पी ई-009
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई-009/ए एस एस टी/टी एम ए/2021-22
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड-I

1. महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के भारत के लिए विज़न में अंतर स्पष्ट कीजिए।
2. भारत में लोकतांत्रिक शासन की विशेषताएं क्या हैं और यह कितना सफल साबित हुआ है?
3. भारत में शांति आंदोलनों में नेतृत्व की भूमिका की चर्चा कीजिए।
4. अहिंसक संघर्षों के चार-स्तरीय रणनीतिक प्रबंधन से आप क्या समझते हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।
5. रंगभेद-नीति को परिभाषित कीजिए। रंगभेद-नीति पर आधारित शासन को समाप्त करने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

खण्ड-II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) सोवियत सागक का विघटन
ख) पोलैंड में एकजुटता सॉलिडेरिटी आंदोलन
7. क) अमेरिका में महिला और नागरिक अधिकार आंदोलन
ख) ग्राम पुनर्निर्माण
8. क) लोकतांत्रिक समावेशन
ख) पोलैंड में साम्यवाद का पतन
9. क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर गांधी का दृष्टिकोण
ख) लैंगिक न्याय पर गांधी के विचार
10. क) एक पत्रकार के रूप में गांधी
ख) गांधी द्वारा प्रतिपादित इच्छा की परिसीमा

पाठ्यक्रम: गाँधी : पारिस्थिकी और सतत् विकास (एम.जी.पी.ई.-014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोड: एम जी पी ई-014
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी-014/ए एस एस टी/टी एम ए/2021-22
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड-I

1. गांधी के विचार डार्विनवाद और मानव-केंद्रितवाद से किस प्रकार भिन्न हैं?
2. हमारे आधुनिक जीवन जीने शैली में क्या कमियाँ हैं? विकास के प्रति गांधीवादी दृष्टिकोण से इन्हें कैसे दूर किया जा सकता है?
3. पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समझौतों में विकास की आलोचनाओं और प्रति-आलोचनाओं का अध्ययन करें।
4. 'प्रकृति की पूजा शांति प्राप्त करने के समान है।' कथन की पुष्टि अपने शब्दों में कीजिए।
5. औद्योगिक युग के विश्व दृष्टिकोण की तुलना नए उभरते वैकल्पिक विश्व दृष्टिकोण से करें।

खण्ड-II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) गहन पारिस्थितिकी के सिद्धांत
ख) विकास की सीमाएं
7. क) दार्शनिक अराजकतावाद
ख) पारिस्थितिक संतुलन
8. क) वर्ग संघर्ष के मार्क्सवादी सिद्धांत का खंडन
ख) महिलाओं का अवैध व्यापार
9. क) सेवाग्राम आश्रम
ख) बायोनॉमिक्स
10. क) ग्राम स्वराज में खादी का योगदान
ख) गैर-शोषक अर्थव्यवस्था की स्थापना